वो प्यारी लड़की

- गुंजन सिंह
इंटर्न - AIF

पिछले वर्ष ही मुझे अपने देश के एक राष्ट्रीय संस्थान में इंटर्नशिप करने का मौका मिला था| मुझे इसी इंटर्नशिप के दौरान विभिन्न चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूट में भ्रमण करना था और एक रिपोर्ट तैयार करनी थी| एक दिन में एक केयर होम के भ्रमण के लिए, पूर्व में काफी कम समय दिए, एक बालिका केयर होम में पहुंच गई I वहां 6 से 18 वर्ष तक की बालिकाएं रह रही थी |

मुझे लगभग आधा घंटे इंतजार के बाद लड़कियों से बातचीत करने का मौका मिला| सारी बच्चियाँ आनन्-फानन में धुलाई किए गए फर्श पर बिना कुछ बिछाए बैठी हुई थी| मैं बस एक-एक कर सभी लड़कियों के चेहरे देख रही थी, कुछ बेहद कमजोर और बेजान-सी नजर आ रही थी और लड़कियों को वहां की महिला कर्मचारी ने मेरे कुर्सी पर बैठने से पहले ही संबोधित करते हुए कहा, इन मैडम से आप सिर्फ अपनी पढ़ाई लिखाई से संबंधित बात कर सकती हैं | फिर मैंने अपना परिचय दिया और एकतरफा बातों का सिलसिला शुरू हो गया, कुछ बातें मैं बोल ही रही थी, कि एक बच्ची बोली, मैडम जैसे हम लोग रात को ट्रैवल करते हैं, तो बहुत थक जाते हैंI उस बच्ची के बस इतना बोलने के बाद वहां के स्टाफ में अपरा-तफरी मच गई और एक कर्मचारी ने हल्का-सा पीछे जाकर अपनी इशारों की भाषा में बच्ची को आगे कुछ बोलने से पहले ही चुप कर दिया|

मेरे लिए पलक झपकते ही चाय परोसी जा चुकी थी| अचानक चाय पीते हुए मेरी नजर एक बहुत प्यारी सी दिखने वाली, लगभग 12 से 13 वर्ष की बच्ची पर पड़ी बहुत ही मायूस थी और सिर झुकायें लगातार रोयें जा रही थी, रोती हुई बच्ची लगातार मेरी तरफ देखकर कुछ कहना चाहती थी, मेरे कई बार पूछने पर भी मुझ से कुछ नहीं बोली, वहां लगभग 50-60 बच्चियों के बीच किसी एक बच्ची के पास मुझसे पूछने के लिए कोई सवाल नहीं था| जिसने मेरे सामने एक लाइन बोलने की हिम्मत दिखाई थी, उसे वहां की महिला कर्मचारी ने किसी अन्य काम को करने के लिए भेज दिया था| अब तक मेरा मन बहुत भारी हो चुका थाI यह सारी बातें मैंने वापस आकर अपने संस्थान में बताई और रिपोर्ट में भी लिखी| परंतु वास्तविकता में मेरे मन में कुछ सवाल आज भी है कि जैसे रात में लड़कियां कहां जाती हैं ? लगातार रोने वाली बच्ची को मुझसे अकेले में अपनी बात कहने का मौका क्यों नहीं दिया गया? और आखिरी सवाल, क्या केयर होम्स में रहने वाली बच्चियों को समय-समय पर बताया जाता है कि उनके अधिकार क्या है? लड़कियों के साथ उचित-अनुचित व्यवहार कौन-कौन से होते हैं?

देखा जाये तो ऐसे केयर होम्स में रहने वाली लड़कियों की स्थिति कितनी दयनीय है। ऐसे होम्स को प्रशासन की ओर से समय- समय पर मॉनिटरिंग देना अनिवार्य है अन्यथा बच्चियां घुट के रह जाएंगी।